• बाल कविताएं...

गुडिया घर...

गुडियाघर, यह गुडियाघर,
लगता अम्मां, कितना सुंदर!
यहां लगा है किस्म-किस्म के
रंगों का एक मेला,
कितनी मस्ती, चहल-पहल है
कोई नहीं अकेला।
गुडिया गुड्डे देश-देश के
बुला रहे हैं भीतर!
यह जापानी गुडिया हरदम
मुसकाती रहती है,
मगर फ्रांस से आई गुडिया
गुस्से में लगती है।
इंगलिस्तानी गुड्डा इक
देख रहा है बिटर-बिटर!
कितना अच्छा चीनी बच्चा
चौड़ा हैट लगाए,
एक आदिवासी बालक है
तीर-कमान उठाए।
घास-फूस, तिनकों का देखो
बना हुआ है बढ़िया घर!

चांद सलोना...

चांद सलोना, चांद सलोना,
नटखट-सा नन्हा मृगछौना।
दौड़ रहा मन की मस्ती में,
अंबर की उजली बस्ती में।
कभी बादलों में छिप जाता,
कभी उछलकर बाहर आता।

-प्रकाश मनु

• चुटकुले...

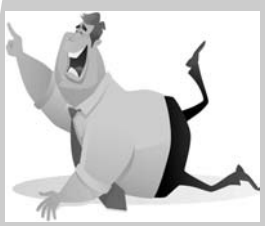

बीवी : प्यार करते हो मुझे?
पति : शाहजहां जैसे!
बीवी : मेरे बाद ताजमहल बनाओगे?
पति : प्लाट ले चूका हूं पगली, देर तो तू कर रही है।

जब से कुत्तों को पता चला है कि अब 14 नहीं केवल 1 ही सुई लगती है
काटते कम है, दौड़ाते ज्यादा हैं।

इस मिलावट के जमाने मे भी सिर्फ.. बिजली विभाग ही है जो शुद्ध माल बेचता है!!
विश्वास न हो तो हाथ लगा कर देख लो...

• जानकारी...

रेडियो...

रेडियो का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में एफएम के चित्र आना धुर हो जाते हैं लेकिन असलियत में वह केवल एक यंत्र हैं। रेडियो के पूरी तकनीकी है जिसमे बिना तार के माध्यम से सन्देश एक जगह से दूसरी जगह भेजे जाते हैं। आज के समय के सभी बड़े-बड़े संचार के साधन और उपकरण रेडियो तकनीकी पर भी आधारित हैं। सरल भाषा में रेडियो को समझा जाए तो यह एक ऐसी टेक्नोलॉजी हैं जिसमे Radio Waves का इस्तेमाल करते हुए सिग्नल दिए जाते है या फिर एक दूसरे से कम्युनिकेट किया जाता हैं।

आज की उन्नत रेडियो तकनीकी के जरिये हम एक रेडियो स्टेशन से रेडियो तरंगों के माध्यम से लाखो या करोड़ो लोगो को भी मेसेज दे सकते हैं। Radio Waves (रेडियो तरंगे) एक प्रकार की इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगे होती है।

रेडियो तरंगे एक ट्रांसमीटर के द्वारा जनरेट की जाती हैं जो की एंटीना से जुड़ा होता हैं. इन तरंगों को रिसीव करने वाले डिवाइज को रेडियो रिसीवर कहा जाता हैं जिसमे भी एक एंटीना होता हैं। वर्तमान में रेडियो काफी ज्यादा उपयोग की जाने वाली आधुनिक तकनीक हैं। राडार, रेडियो नेविगेशन, रिमोट कंट्रोल, रिमोट सेंसिंग आदि इसी पर आधारित हैं। रेडियो कम्युनिकेशन का उपयोग टेलीविजन के ब्रॉडकास्ट, सेल्फोन्स, टू-वे रेडियो, वायरलेस नेटवर्किंग और सेटेलाइट कम्युनिकेशन आदि में किया जाता हैं. वही रेडियो आधारित राडार टेक्नोलॉजी से एयरक्राफ्ट, शिप, स्पेसक्राफ्ट, मिसाइल आदि को ट्रैक और लोकेट किया जाता हैं। इसमे राडार के ट्रांसमीटर से तरंगे छोड़ी जाती हैं जो की एयरक्राफ्ट जैसे ऑब्जेक्ट्स रिफ्लेक्ट करते हैं जिनसे उनकी सटीक लोकेशन पता चलती हैं। हमारे द्वारा रोजाना उपयोग की जाने वाली GPS और VOR जैसी आधुनिक टेक्नोलॉजी भी रेडियो प्रौद्योगिकी पर ही आधारित हैं। गुलिएल्मो मारकोनी को रेडियो तकनीकी का मुख्य अविष्कारक माना जाता हैं। मारकोनी ही वह पहले व्यक्ति थे जिन्होंने इस तकनीकी का उपयोग करते हुए लम्बी दूरी के संचार के लिये एक सफल उपकरण तैयार किया। इसी कारण उन्हें रेडियो का आविष्कारक माना जाता हैं। उस समय विशेषज्ञों के द्वारा इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों के अध्ययन के लिये उपकरण तैयार किये जा रहे हैं. गुलिएल्मो मारकोनी ने पहला सफल उपकरण तैयार किया।

• तेनालीराम

तेनालीराम ने राजा की इस सोच की प्रशंसा की और इसके बाद राजा ने विजयनगर में राष्ट्रीय उत्सव मनाने का आदेश दे दिया। शीघ्र ही नगर को स्वच्छ करवा दिया गया, सड़कों व इमारतों में रोशनी की व्यवस्था कराई गई।

पूरे नगर को फूलों से सजाया गया। इसके बाद राजा ने घोषणा की कि राष्ट्रीय उत्सव मनाने के लिए हलवाई की दुकानों पर रंग–बिरंगी मिठाइयां बेची जाएं...

रंग-बिरंगी मिठाइयां

वसंत ऋतु छाई हुई थी। राजा कृष्णदेव राय बहुत ही खुश थे। वह तेनालीराम के साथ बाग में टहल रहे थे। वह चाह रहे थे कि एक ऐसा उत्सव मनाया जाए, जिसमें उनके राज्य के सारे लोग शामिल हों। पूरा राज्य उत्सव के आनंद में डूब जाए। इस विषय में वह तेनालीराम से भी राय लेना चाहते थे। तेनालीराम ने राजा की इस सोच की प्रशंसा की और इसके बाद राजा ने विजयनगर में राष्ट्रीय उत्सव मनाने का आदेश दे दिया। शीघ्र ही नगर को स्वच्छ करवा दिया गया, सड़कों व इमारतों में रोशनी की व्यवस्था कराई गई। पूरे नगर को फूलों से सजाया गया। इसके बाद राजा ने घोषणा की कि राष्ट्रीय उत्सव मनाने के लिए हलवाई की दुकानों पर रंग-बिरंगी मिठाइयां बेची जाएं। घोषणा के बाद नगर के सारे हलवाई रंगीन मिठाइयां बनाने में व्यस्त हो गए।

इस घोषणा के बाद कई दिनों तक तेनालीराम दरबार में नजर नहीं आए। किसी को भी उनके बारे में कुछ नहीं पता था। राजा कृष्णदेवराय ने तेनालीराम को ढूंढने के लिए सिपाहियों को भेजा, लेकिन वे भी तेनालीराम को नहीं ढूंढ पाए। उन्होंने राजा को इस बारे में बताया।

यह सुनकर राजा और भी अधिक चिंतित हो गए। उन्होंने दोबारा सिपाहियों को तेनालीराम की खोज में जुट जाने का आदेश दिया।

कुछ दिनों बाद सैनिकों ने तेनालीराम को ढूंढ निकाला। वापस आकर उन्होंने राजा को बताया, 'महाराज, तेनालीराम ने तो कपड़ों की रंगाई की दुकान खोल ली है। वह सारा दिन अपने इसी काम में व्यस्त रहते हैं। जब हमने उन्हें अपने साथ आने को कहा तो उन्होंने आने से मना कर दिया।'

यह सुनकर राजा को गुस्सा आ गया। वह सैनिकों से बोले,'मैं तुम्हें आदेश देता हूं कि तेनालीराम को जल्दी से जल्दी पकड़कर यहां ले आओ। अगर वह तुम्हारे साथ अपनी मर्जी से न आए तो उसे बलपूर्वक लेकर आओ।'

राजा के आदेश का पालन करते हुए सैनिक तेनालीराम को बलपूर्वक पकड़कर दरबार में ले आए।

राजा ने पूछा, 'तेनाली, तुम्हें लाने के लिए जब मैंने सैनिकों को भेजा तो तुमने शाही आदेश का पालन क्यों नहीं किया? और एक बात और बताओ। हमारे दरबार में तुम्हारा अच्छा स्थान है, जिससे तुम अपनी सभी आवश्यकताएं पूरी कर सकते हो। फिर भला तुमने यह रंगरेज की दुकान क्यों खोली?'

तेनालीराम बोले,'महाराज, दरअसल मैं राष्ट्रीय उत्सव के लिए अपने कपड़ों को रंगना चाहता था। नगर में बहुत सारे लोग उत्सव में पहनने के लिए अपने कपड़े रंगवाना चाहते हैं। इस काम में अच्छी कमाई है। इससे पहले कि सारे रंगों का इस्तेमाल दूसरे लोग कर लें, मैं रंगाई का काम पूरा कर लेना चाहता था।'

'सभी रंगों के इस्तेमाल से तुम्हारा क्या मतलब है? क्या नगर के सारे लोग अपने कपड़ों को रंग रहे हैं?' राजा ने पूछा।

'नहीं महाराज, वास्तव में रंगीन मिठाइयां बनाने के आदेश के बाद से नगर के ज्यादातर हलवाई मिठाइयों को रंगने के लिए रंग खरीदने में व्यस्त हो गए हैं। अगर वे सारे रंगों को मिठाइयां रंगने के लिए खरीद लेंगे तो मेरे कपड़े कैसे रंगे जाएंगे?'

इतना सुनते ही राजा को अपनी भूल का अहसास हो गया। वह बोले,'तो तुम यह कहना चाहते हो कि मेरा आदेश अनुचित है। मेरे आदेश का फायदा उठाकर मिठाइयां बनाने वाले मिठाइयों को रंगने के लिए घटिया व हानिकारक रंगों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि उन्हें केवल खाने योग्य रंगों का ही इस्तेमाल करना चाहिए', इतना कहकर महाराज ने तेनालीराम की तरफ देखा। तेनालीराम के चेहरे पर वही चिर-परिचित मुस्कराहट थी। राजा कृष्णदेव राय ने गंभीर होते हुए आदेश दिया कि जो मिठाई बनाने वाले हानिकारक रासायनिक रंगों का प्रयोग कर रहे हैं, उन्हें कठोर दंड दिया जाएगा। इस तरह तेनालीराम ने अपनी बुद्धि के इस्तेमाल से विजयनगर के लोगों को बीमार होने से बचा लिया।

• रोचक...

गुलमोहर...

गुलमोहर लाल फूलों वाला पेड़ है। इसकी जन्मभूमि मेडागास्कर को माना जाता है। भरी गर्मियों में गुलमोहर के पेड़ पर पत्तियां तो नाममात्र होती हैं, परंतु फूल इतने अधिक होते हैं कि गिनना कठिन। गुलमोहर के फूल मकरंद के अच्छे स्रोत हैं। शहद की मक्खियां फूलों पर खूब मंडराती हैं। मकरंद के साथ पराग भी इन्हें इन फूलों से प्राप्त होता है। गुलमोहर के फूल मकरंद के अच्छे स्रोत हैं। शहद की मक्खियां फूलों पर खूब मंडराती हैं। मकरंद के साथ पराग भी इन्हें इन फूलों से प्राप्त होता है। सूखी कठोर भूमि पर खड़े पसरी हुई शाखाओं वाले गुलमोहर पर पहला फूल निकलने के एक सप्ताह के भीतर ही पूरा वृक्ष गाढ़े लाल रंग के अंगारों जैसे फूलों से भर जाता है। ये फूल लाल के अलावा नारंगी, पीले रंग के भी होते हैं। वसंत से गर्मी तक यानी मार्च अप्रैल से लेकर जून जुलाई तक गुलमोहर अपने उपर लाल नारंगी रंग के फूलों की चादर ओढ़े भीषण गर्मी को सहता देखने वालों की आंखों में ठंडक का अहसास देता है।

• एप्पल ब्रैंड...

***Apple** एक ऐसी कंपनी है जिसके प्रोडक्ट दुनियाभर में इस्तेमाल किए जाते हैं। इतना ही नहीं यह कंपनी दुनिया के टॉप कंपनी के लिस्ट में दूसरे नंबर पर आता है। मोबाइल हो या फिर लैपटॉप या फिर मैकबुक इस ब्रैंड के प्रोडक्ट दुनियाभर में लोकप्रिय है। दुनिया में शायद ही कोई ऐसा देश होगा जहां एप्पल ब्रैंड के प्रोडक्ट्स यूज नहीं किए जाते होंगे। लोकप्रिय होने के साथ–साथ इस ब्रैंड के प्रोडक्ट काफी महंगे भी होते हैं। टेक्नोलॉजी की बात करें तो टेक्नोलॉजी के मामले में भी यह कंपनी दुनिया के बेस्ट कंपनियों में गिनी जाती है।*